**प्रधानमंत्री जी कृपया ध्यान दें!**

# होटल का खाना होगा महंगा!

## ■ एलपीजी पर कर की दर घटाओ
## ■ पत्र लिखकर की गई मांग

*सुजीत गुप्ता / मुंबई*

एलपीजी पर कर की दर मौजूदा १८ प्रतिशत से घटाकर ५ प्रतिशत की जाए। वरना होटल का खाना महंगा हो जाएगा। इस डर को ध्यान में रखते हुए होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया (एचआरएडब्ल्यूआई) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर कृपया ध्यान देने की मांग की है, ताकि पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की लागत में हाल में हई असामान्य वृद्धि से रेस्टोरेंट को राहत मिल सके।

### मजदूर वर्ग पर पड़ेगा असर

एसोसिएशन ने कहा है कि एलपीजी रेस्तरां उद्योग की सबसे आवश्यक आवश्यकताओं में से एक है, इसकी लागत में भारी वृद्धि से अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं की दरों में भी वृद्धि हुई है। एलपीजी की लागत में भारी वृद्धि से रेस्तरां में बेचे जानेवाले खाद्य पदार्थों की कीमत में वृद्धि होगी, जिसका प्रभाव सीधे ग्राहक पर पड़ेगा। विशेष रूप से स्टैंडअलोन रेस्तरां के लिए जो निम्न व मध्यम वर्ग के लिए सस्ती कीमतों पर खाद्य पदार्थ उपलब्ध करते हैं, उन पर ज्यादा असर पड़ेगा।

### नहीं मिलती आईटीसी में रियायत

एचआरएडब्ल्यूआई के अध्यक्ष शेरी भाटिया ने कहा, 'अधिकांश स्टैंडअलोन रेस्तरां किफायती दरों में मध्यम और निम्न वर्ग को खाना उपलब्ध कराते हैं। घर से बाहर होते समय अपने दैनिक भोजन के लिए ऐसे भोजनालयों पर निर्भर रहनेवाला मजदूर वर्ग भोजन पर अधिक खर्च नहीं कर सकता। वर्तमान में, वाणिज्यिक एलपीजी पर १८ प्रतिशत जीएसटी लगता है। कर का बोझ भोजन की लागत में वृद्धि करता है क्योंकि स्टैंडअलोन रेस्तरां को आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) में रियायत नहीं मिलती है। इसलिए हम चाहते हैं कि स्टैंडअलोन रेस्तरां के लिए एलपीजी पर कर की दर को घटाकर ५ प्रतिशत कर दिया जाए और माननीय प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हैं कि वे इसमें हमारा समर्थन करें, ताकि हम रोजमर्रा के लोगों को किफायती भोजन उपलब्ध करना जारी रख सकें।

### दो साल में ५०० की वृद्धि

पिछले दो वर्षों में एलपीजी की लागत में ४०० से ५०० रुपयों तक की बढ़ोतरी हुई है। एचआरएडब्ल्यूआई ने बताया है कि एलपीजी सिलिंडर की लागत में वृद्धि के अलावा डीजल और पेट्रोल की दरों में लगातार वृद्धि से परिवहन की लागत में वृद्धि हुई है। इससे अनाज, दाल और कई अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है।